भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *56

जिसका उत्तर दिनांक 07.02.2019 को दिया जाना है

वेस्टिंगहाउस के साथ नाभिकीय रिएक्टरों के लिए करार

*56. श्री बी.के हरिप्रसाद :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में 1,000 मेगावाट के छह रिएक्टर स्थापित करने के लिए तोशिबा के स्वामित्व वाली अमरीकी फर्म वेस्टिंगहाउस और एन पी सी आई एल के साथ भारत-अमरीकी नाभिकीय करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं ;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या इस समय घाटे के चलते इस कंपनी पर 6.1 अरब डॉलर की वित्तीय देयता है और बहुत अधिक लागत बढ़ने के कारण इसकी छवि नकारात्मक है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) से (ग) तक सदन के पटल पर विवरण प्रस्तुत है ।

****

भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

"वेस्टिंगहाउस के साथ नाभिकीय रिएक्टरों के लिए करार" के संबंध में श्री बी.के. हरिप्रसाद द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *56, जिसका उत्तर दिनांक 07.02.2019 को दिया जाना है, के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) तथा (ख) आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में कोव्वाडा स्थल पर 1208 मेगावाट प्रत्येक के छह रिएक्टरों की स्थापना करने के लिए परियोजना प्रस्ताव तैयार करने हेतु वर्तमान में, न्यूक्लियर पॉवर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) तथा मेसर्स वेस्टिंगहाउस के बीच तकनीकी वाणिज्यिक चर्चाएं प्रगति पर हैं। व्यवहार्य परियोजना प्रस्ताव तैयार होने तथा केन्द्र सरकार द्वारा प्रशासनिक अनुमोदन तथा वित्तीय मंजूरी प्रदान किए जाने पर, मेसर्स वेस्टिंगहाउस के साथ वाणिज्यिक करार पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

(ग) संयुक्त राज्य सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी तथा मुक्त स्रोतों में उपलब्ध सूचना के अनुसार मेसर्स वेस्टिंगहाउस, अगस्त 2018 में दिवालियापन से बाहर आ गया है।

*****